DJRD-2-HI

क्या यीाु मुर्दों में से जी उठा? 2

अनाऊंसर: आज हम आपको बहस में न्योता देना चाहते हैं, संसार के बहुत ही विख्यात फिलोसोफर नास्तिक के साथ, डॉ. एन्थनी फ्लू, ये ऑक्स्फ़र्ड युनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे, और मसीही फिलोसोफर और इतिहासकार डॉ. गैरी हैबरमास, लिबिर्टी युनिवर्सिटी के फिलोसोफी के डिपार्टमेंट के वर्तमान के चेअरमैन हैं/ आज का विषय है क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा?

डॉ. एन्थनी फ्लू: नही, मैं यही सवाल उठाना चाहता हूँ कि पौलुस ने सच में क्या देखा? उसने सोचा कि उसने जी उठे मसीह को देखा है/ लेकिन वहां देखा जाने के लिए क्या था, और उसके साथियों ने जी उठे यीशु को या और कुछ नही देखा/

डॉ. गैरी हैबरमास: हर दोष निकालनेवाला विश्वास करता है कि चेलों ने सोचा कि उन्होंने जी उठे यीशु को देखा, तो यही मुद्दा है, चेलों ने सोचा कि उन्होंने जी उठे यीशु को देखा है, और भ्रम काम नही करता है, और हम जानते हैं कि दूसरा कुछ काम नही करता, हमारे पास ये अद्भुत घटना है/

डॉ. एन्थनी फ्लू: मैं निश्चित नही हूँ कि कौनसे लेबल उपयोगी होते हैं, मुझे ये बात बहुत अजीब दिखाई देती है, कि क्या वहां ऐसा कुछ था जिसने देखा कि ये भ्रम है या नही है/

डॉ. गैरी हैबरमास: पौलुस कहता है, ये भ्रम नही, तो क्या सवाल है/

डॉ. एन्थनी फ्लू: यदि ये उसके साथियों को नही दिखा, तो ये शारीरिक देह नही हो सकती है/

डॉ. गैरी हैबरमास: किसने कहा कि ये साथियों को नही /

अनाऊंसर: मसीहियत मसीह के पुनरुत्थान पर खड़ी रखती या गिर जाती है/ यदि मसीह मुर्दों में से जी उठा है, तो मसीहियत सच्ची है, यदि वो नही जी उठा, तो मसीहियत झूठी है, यहाँ तक कि प्रेरित पौलुस ने लिखा, यदि मसीह नही जी उठा, तो हमारा विश्वास बिना बुनियाद का है, हमारा प्रचार बेकार है, और हम अब भी हमारे पापों में हैं/ हम आपको इस महत्वपूर्ण बहस में जुड़ने का न्योता देते हैं/ द जॉन एन्करबर्ग शो में/

***

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, हम इस विषय पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा है, और दो अद्भुत मेहमान हैं, डॉ. एन्थनी फ्लू, इन्हें संसार में सबसे बड़े कंटेम्परारी फिलोसोफिकल नास्तिक माना जाता है, और डॉ. गैरी हैबरमास, विख्यात फिलोसोफर और इतिहासकार हैं, इन्हें बहुत लोग यीशु के जी उठने के सबूतों के बारे में एक्सपर्ट मानते हैं/

दोस्तों, मैं खुश हूँ कि आप यहाँ आए, चलिए सीधा मुददे पर आते हैं, क्या हमारे पास ऐतिहासिक सबूत हैं कि सच में यीशु जीवित था, और वो क्रूस पर मरा, चेलों के बारे में क्या, उन्होंने जो अनुभव किया और विश्वास किया कि ये तो सच में जी उठे यीशु का प्रकटीकरण है, यहाँ 4 सच्चाई हैं, डॉ/ हैबरमास आपने कहा है, उन 12 में से जो आपने पिछले सेगमेंट में बताए थे, कि सारे दोष निकालनेवाले इन सच्चाई से सहमत हैं, ये बहुत से सबूत हैं, और हमें ऐसे सबूत चाहिए,सबसे पहले बताइए ये सच्चाई क्या हैं/

डॉ. गैरी हैबरमास: खैर, मैंने क्या किया जॉन, इन 12 सच्चाई की सूचि से, जो चलिए कहते हैं कि शुक्रवार से रविवार, यीशु के पारंपरिक जीवन से, हमने 4 लिया, ये सामान्य नम्बर है, क्योंकि, मेरे हिसाब से कोई भी 4 जितनी कम संख्या नही देगा,मतलब रुडोल्फ बर्टमन हमें शायद 20 दे, इस आखरी हफ्ते से, यीशु के जीवन के आधे हफ्ते से, लेकिन मैने यही किया कि 12 में से 4 सच्चाई ली कि 3 काम करें, सबसे पहले मैं सोचता हूँ कि इन 12 सच्चाई में से कुछ और भी हैं जिससे मुख्य नैचरलिस्टिक थेयरी हैं, ये और कुछ नही लेकिन इन सच्चाई से संबन्धित डेटा है, दूसरी बात यहाँ जी उठने के लिए सबसे अच्छे सबूत हैं, और तीसरी बात कि हम इसे बहुत ही कम ऐतिहासिक डेटा के साथ करते जाते हैं, तो हमें जरूरी नही कि सुसमाचार और ये और वो हो, ये सब पौलुस से आता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये क्या हैं, सच्चाई क्या हैं?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, सबसे पहले कि यीशु कृसिकरण से मरा, दूसरी बात कि चेलों ने अनुभव किया था और उन्होंने विश्वास किया, कि ये जी उठे यीशु का प्रकटीकरण है, उनका जीवन बदल गया, वो बदल गए, उन्होंने इस बात का इनकार नही किया कि यीशु ने उन्हें देखा, उन्होंने संसार को उथल पुथल कर दिया और चौथी बात, एक आदमी जो पौलुस था, जैसे हमने चर्चा की वो दोष निकालनेवाला था, जो विश्वासियों को जेल में डालता और उन्हें मारता था/ वो मसीह के पास एक अनुभव से आया और वो विश्वास करता था, कि जी उठा यीशु प्रकट हुआ/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, टोनी, आप इसके बारे में बताइए, सुनो, यदि तुम विश्वासी नही हो, तो ऐसी कुछ बातें हैं टोनी आप ही बताइए, क्या आप इन सच्चाई के साथ सहमत हैं?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, मैं कहूँगा कि सहमत हूँ, लेकिन ये सच्चे प्रकटीकरण, मैं सच में थोमा पर दया करता हूँ, जो सच में बहुत देरी से आता है सुसमाचार की कहानी में, और वो संदेह कर रहा था कि क्या सच में वहां शारीरिक देह है या नही, और जहाँ तक मैं देख सकता हूँ, ऐसा कुछ भी नही लिखा गया है कि उसने सच में अपने हाथ से छू कर सब देखा हो, उसे बताया गया कि क्या करें, और फिर बताया गया कि याने इस तरह बताया गया कि यीशु को देखा, लेकिन उसकी देह को छू ने बजाए उसने उसे देखा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: गैरी आप क्या सोचते हैं?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, वो थोमा को छूने के लिए कहता है, टोनी ने सही कहा, जॉन ये नही बताता कि थोमा ने उसे छुआ था, लेकिन बात तो ये है, इगनेशियस ने याने युहन्ना के सुसमाचार के बस 10 साल बाद, इसवी सन 107 में, इस समय इगनेशियस कहता है कि थोमा ने उसे छुआ था, शायद कोई भी बात हो, दो और स्त्रियों ने उसे छूने के लेख हैं, सुसमाचार में बताया है, उन में से एक थी, वो स्त्रीयां जिनके बारे में मत्ती 28:9 में बताया गया है, कि उन्होंने आकर उसके पांव पकडकर उसे दण्डवत किया/ और हम देखते हैं मरियम मगदलीनी, जो अकेले रह जाती है, और वो सोचती है कि ये माली है, और वो मुडकर उसे देखती और उसे पहचानती है, और

वो कहता है मुझे न थाम, तो मैं ये चित्र देखता हूँ कि मरियम, पूरी तरह से उसे थामे रहती है, याने उन स्त्रियों ने उसे छुआ, मरियम ने उसे छुआ, और इगनेशियस कहते है कि थोमा ने उसे छुआ/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: केवल इतना ही नही, लेकिन सच्चाई है, कि यदि हम थोमा का लेख उपयोग करेंगे, जहाँ, मैं विश्वास नही करूंगा, दोष निकालनेवाले कहे, मैं विश्वास नही करूंगा, जब तक अपने हाथ किल के छेद में न डाल दूँ, और पसली न देखूं, ठीक है, कुछ भी हो, उसके ये कहने के बाद ये गवाही है, मेरे प्रभु, मेरे परमेश्वर, याने कुछ तो हुआ, आप क्या सोचते हैं?

डॉ. एन्थनी फ्लू: अब ये रोचक है कि बताया जाता है कि यीशु ने कहा नही, याने अब तुमने छू लिया, तुम ने विश्वास किया, लेकिन ये कहता है कि उसने देखा, ये मेरे लिए बहुत ही अजीब है, ये इस तरह नही जैसे मैं सोचता, जैसे मानो मैं किसी को इस तरह देखता, कि वो छू रहे हैं/

डॉ. गैरी हैबरमास: स्त्रियों के बारे में क्या, इन दो लेखों में, और अकेले में मरियम मगदलीनी/ क्या आप सोचते हैं कि उन्होंने उसे छुआ?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, ये ऐसे लेखे हैं जो उन्होंने किए, ये सच है, लेकिन ये जैसे लिखा है कि उन्होंने उसे छुआ था, ये तो सच में विश्वास करने के कारण नही हैं कि उसे छूआ था/ इसके बारे में उन्होंने खबर दी थी कि ये हुआ था/

डॉ. गैरी हैबरमास: लेकिन आप ये शिकायत कर रहे हैं कि सुसमाचार में किसी ने उसे नही छुआ/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, बिलकुल/

डॉ. गैरी हैबरमास: कम से कम हमारे पास ये 3 उदाहरण हैं/ क्योंकि इगनेशियस ने कहा कि थोमा ने छुआ था/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, लेकिन ये सच में अद्भुत है, कुछ भी हो हम अनुमान लगाते हैं, याद है, क्या तुम्हारी दृष्टी कम नही, बस तुम देखकर महसूस करते हो/ याने ये तो निश्चय ही कोई भी करेगा, कि वो जो देख रहे हैं वो कोई दर्शन है या ऐसा कुछ है जिसे वो देखकर छू सकते हैं या नही/

डॉ. गैरी हैबरमास: यदि आप सुसमाचार से डेटा लेते हैं, यही लेखक जिसने 4 था सुसमाचार लिखा/ पहला युहन्ना जिसके पहले 3 वचन ऐसे हैं, वो कहता है कि हमने उसे अपनी आँखों से देखा/ हमारे हाथों ने उसे छुआ, हमने देखा कि वचन, युहन्ना 1:14 वचन देहधारी हुआ, युहन्ना पहली पत्री में वापस आता है, चलिए इस बात को देखते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: चलिए इसे पढ़ते हैं, वो कहता है कि हमने इसे देखा 6 बार वो कहता है, कि हमने कुछ सूना है, वो कहता है कि हमने जो सुना उसे अपनी आँखों से देखा है, जिसे हमने देखा है, ग्रीक में संक्षिप्त में बताता है, और हमारे हाथों ने उसे छुआ है, और मैं सोचता हूँ कि लुका में यीशु ने कहा कि मुझे छूकर देखो कि मैं भुत नही/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, और बाद में खाता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, याने सबूत दिखाते हैं कि यहाँ सच में शारीरिक देह चल रही थी, और ये आवाज़ शुरू में सुनने के लिए चौकानेवाली थी लेकिन ये उन्हें कुछ अनुभवों से लेकर गई, और उन्होंने छुआ और उन्होंने देखा, वही दावा करते हैं/

डॉ. एन्थनी फ्लू: नही, उन्होंने नही छुआ, उन्होंने दर्शन देखा कि कोई खा रहा था, सच हैं ना?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: नही, वो कहता है कि हमने उसे छुआ/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, खैर यदि आप सीधा लेख देखना चाहते हैं, लुका 24 में यीशु ने कहा कि आत्मा के लहू और मांस नही होते जैसे तुम मुझ में देख रहे हो/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, हाँ/

डॉ. गैरी हैबरमास: याने वो कहता है कि मैं आत्मा नही, यदि हम सुसमाचार को सीधा लेते हैं तो/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, आत्मा तो आत्मा नही होने का दावा कर रही है/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, एक तरह से वो कह रहा है कि वो आत्मा नही है, तो मैं मानता हूँ कि वो आत्मा नही है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ऐसा क्यों है, ऐसे कुछ लोग हैं गैरी, जो कहते हैं आप पुनरुत्थान को जानते हैं, जैसे हम देश के बहुत से चर्च में जाए, तो उस चर्च के सेवक कहते हैं, ये यीशु का सच में शारीरिक रूप में मुर्दों में से जी उठना नही है, इसे वो मुर्दों में से आत्मिक पुनरुत्थान कहते हैं, क्यों नही, ये केवल आत्मिक पुनरुत्थान क्यों नही है?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, ये शुरू कि बात है जिससे मैं टोनी के साथ सहमत नही, आज मैं कहूँगा कि ये ऐसा वाक्य है जिसे आज के विद्वान् कहते हैं, अब इन दिनों में मैं पुनरुत्थान के बारे में 100 स्रोतों का अध्यन कर रहा हूँ, 1975 से 2000 तक, इस समय में दोष निकालनेवाले विद्वान् कहा पर थे ये देख सकूं, और आज बहुत से विद्वान् सोचते हैं, कि कुछ सच में हुआ था, चेलों ने सच्चा अनुभव किया था, उन्होंने विश्वास किया कि उन्होंने जी उठे यीशु को देखा, और बहुत से विद्वान् सोचते हैं कि चेलों ने सच में कुछ देखा था, उन्होंने सच्चा अनुभव पाया, लेकिन बहुत से विद्वान् मानते हैं, वो मानते हैं कि यीशु वहां प्रकट हुआ, वो शारीरिक देह से घबरा कर भाग गए, और उन्होंने सोचा खैर ये मेरे शब्द हैं, शायद किसी तरह का चमकनेवाला होलोग्राम हो या कुछ/ याने ये आज दोष निकालनेवाले का दृष्टिकोण हो सकता है, जो हम दोनों के बिच के विचार के हो/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: एक और शब्द जो लोग कहते हैं, देखो पौलुस आत्मिक शब्द का उपयोग करता है, 1 कुरिन्थियों 15 में, तो क्या उसका अर्थ ऐसा है जिससे आर-पार देख सकते हैं, या ये सच में शारीरिक देह थी, इस शब्द का क्या अर्थ है?

डॉ. गैरी हैबरमास: ये हमारे लिए उलझा हुआ है क्योंकि हम विश्वास करते हैं, खैर हम सुसमाचार से बहुत देखते आए हैं, लेकिन हम दोनों कहेंगे कि पौलुस सबसे अच्छा सबूत है/

डॉ. एन्थनी फ्लू: बिलकुल/

डॉ. गैरी हैबरमास: केवल वही आँखों देखा गवाह था और आज सब यही कहते हैं, तो पौलुस पुनरुत्थान की देह के बारे में जो सोचता है वो जरूरी है, अब यहाँ पहला कुरिन्थियों 15 में देखिए, यहाँ आत्मा के लिए ग्रीक शब्द आया है, न्युमा, पौलुस इस शब्द को नही चुनता, वो कहता है आत्मिक देह, तो मैं सोचता हूँ कि कुछ बदलाव हो रहे थे, लेकिन विचार है कि वहां शारीरिक देह थी, अब ये मेरी शुरू की बात की और ले जाता है, मैं कहूँगा कि पौलुस नही कहता कि यीशु आत्मा के रूप में प्रकट हुआ/ अगर आप चाहे तो मैं संक्षिप्त में बताऊंगा, पौलुस की किताबें जिन्हें सब दोष निकालनेवाले मानते हैं, फिलिप्पियों, खैर दोष निकालनेवाले हमेशा स्वीकार करते, रोमियों, पहला और दूसरा कुरिन्थियों, गलातियों और फिलिप्पियों/ जी ए वेल्स, वो उन दिन टोनी की बाई और बैठे थे, वो पौलुस की 8 किताबें स्वीकार करते, ये 5 और 3 अन्य भी/ और फिलिप्पियों अध्याय ...

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मैं चाहता हूँ कि हम रुककर ब्रेक लेंगे और फिर चर्चा करेंगे कि ये आत्मिक पुनरुत्थान क्यों नही था, लेकिन शारीरिक पुनरुत्थान था, तो बने रहिए/

ब्रेक/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम लौट आए हैं, हमारे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद, हमारे साथ हैं, डॉ. गैरी हैबरमास और डॉ. एन्थनी फ्लू, बहस का सवाल है, क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा है? और हम देख रहे थे कि किस तरह का पुनरुत्थान हुआ था? जब आप कहते हैं कि यीशु मुर्दों में से जी उठा, तो वो किस तरह की देह थी, क्या ये आत्मिक देह थी, उसका क्या अर्थ है, क्या ये शारीरिक देह थी, बताइए क्या हुआ?

डॉ. गैरी हैबरमास: मैं कह रहा था कि यहाँ पौलुस के बारे में कहना जरूरी है क्योंकि हरकोई पौलुस का डेटा मानता है/ बहुत से दोष निकालनेवाले कहते हैं कि पौलुस को छोड़ कोई आँखों देखा डेटा नही है, तो ये जानना जरूरी है कि पौलुस ने जो देखा उसके बारे में क्या सोचता है, दमिश्क के मार्ग पर, मैंने पहले भी कहा है कि पहला कुरिन्थियो 15 में, वो न्यूमा शब्द चुन सकता था, लेकिन नही, वो आत्मिक शब्द कहता है, लेकिन एक एडजेक्टिव है वो कहता है सोम, शरीर, फिलिप्पियों अध्याय 3, छोटा अध्याय है,केवल 21 वचन हैं,लेकिन पौलुस एक अध्याय में 3 बातें बताता है, जो दर्शाते हैं कि वो शारीरिक जी उठने के बारे में कह रहा था/ शुरू के वचन में कहता है, मैं इब्रानियों का इब्रानी, व्यवस्था के बारे में और मैं फरीसी हूँ/

और ये बात विख्यात है कि फरीसी शारिरीक पुनरुत्थान पर विश्वास करते थे/ प्रेरित अध्याय 23 के अनुसार, जब पौलुस को रोमी लोगों ने बन्दी बनाया, कि उसे मारे जाने से बचाए, तो वो चिल्लाकर लोगों के समूह से कहता है, तुम मुझे क्यों पकड़ते हो, क्योंकि मैं मुर्दों के पुनरुत्थान पर विश्वास करता हूँ, उसका अर्थ सच्चा जी उठना था, तो वहां फरीसियों ने कहा कि इस व्यक्ति में कोई गलती नही/ लेकिन सदुकी उसे पसंद नही करते थे, तो फरीसी के रुप में फरीसियों के साथ सहमत हैं, फिलिप्पियों 3 से पहला सबूत है, फरीसी होने के कारण उसने शारीरिक पुनरुत्थान पर विश्वास किया/

दूसरी बात, वचन 11 में, वो कहता है कि मैं मरे हुओं में से जी उठने के पद को पाऊं, पुनरुत्थान के लिए सामान्य ग्रीक शब्द है नॉसटीसीस/ लेकिन इस वचन में, फिलिप्पियों 3:11 में, इस पर जोर देता है, ऐक- नॉसटीसीस, मैं जानता हूँ कि सब ग्रीक विद्वान् के द्वारा ऐक- नॉसटीसीस का अर्थ यही होता है, मुर्दों में से जी उठना, पौलुस कहता है कि मैं मुर्दों में से जी उठना चाहता हूँ, यहूदी के लिए मुर्दों में से जी उठना याने जो निचे जाता है वो उपर आता है, मरे हुओं में से जी उठते हैं, और कुछ वचन के बाद, फिलिप्पियों 3:20 और 21, वो कहता है कि हम स्वर्ग में यीशु की ओर देखते हैं, वो हमारी देह याने सोमा को बदलकर अपनी महिमा की सोमा याने देह के अनुकूल बना देगा, लेकिन उसे न्यूमा कहना चाहिए थे,इस दूसरे दृष्टिकोण के अनुसार, याने वो फरीसी है, शारीरिक पुनरुत्थान, ऐक- नॉसटीसीस, याने मुर्दों में से जी उठना/

और तीन वो कहता है कि वो हमारी देह को अपनी देह जैसे बदल देगा, याने यहाँ फिलिप्पियों 3 में ही, मैं सोचता हूँ कि पौलुस सोचता हो कि यीशु कोई आत्मा है, जो दमिश्क के मार्ग में उस पर प्रकट हुआ ये उसके डेटा से नही मिलता/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: टोनी आप बहुत ही प्यारे व्यक्ति हैं, और आप जांचनेवाले हैं, मतलब, आपको सबूत मानने होगे, आप इन सबूतों से क्या करते हैं?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, मैं शारीरिक देह के इस विचार को बड़ा अजीब देखता हूँ, कुछ भी हो, जब आप कहते हैं कि ये आत्मिक है, मानो ये कहते हैं कि भौतिक नही है, यदि ये कहे कि ये भौतिक नही है, तो कह रहे हैं कि मैंने जो स्वभावगुण बताए हैं, उनमे से कुछ भी इसमें नही है/ ये मेरे लिए ऐसे दीखता है कि जो भौतिक चीज़े नही वो वास्तविक नही है/ और आत्मिक देह मुझे ऐसी देह दिखती है जैसे मानो देह न हो/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, चलिए मैं आप से सवाल पूछता हूँ, यदि मैं कहूँ कि बाइबल आत्मिक किताब है, तो क्या इसका अर्थ है कि ये भैतिक चीज़ नही है?

डॉ. एन्थनी फ्लू: नही/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: खैर क्या, ये आत्मिक देह होकर भी आत्मिक देह हो सकती है?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, खैर इस तरह कह सकते हैं कि ये उस व्यक्ति की देह है जो आत्मिक व्यक्ति था/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: गैरी?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, इन्होने सही कहा, ये ओन्टोलॉजिकल बात है, लेकिन व्यवहार की बात नही है, कुछ भी हो मैं सोचता हूँ कि यहाँ मुद्दा ये है कि टोनी, आत्मिक देह शब्द को देख रहे हैं, 20 वी सदी के दोष और जांचने के दृष्टिकोण से, मैं सोचता हूँ कि पौलुस को बताना चाहिए कि आत्मिक देह से उसका क्या अर्थ था/ और उसने फिलिप्पियों में पहले ही कह दिया, मैं फरीसी हूँ याने शरीर के पुनरुत्थान पर विश्वास करता हूँ, दो, ऐक-नॉसटीसीस, याने मुर्दों में से जी उठना, और तीसरा कि वो कहता है कि वो मेरे मरणहार देह को बदल देगा, तो वो कहता है, उसकी देह, ये आत्मिक देह नही है, फिलिप्पियों 3:20 और 21 में, ये महिमामय देह है, याने अब देह और साथ में और भी कुछ है, याने मैं कहूँगा कि किसी तरह की महिमा, लेकिन ये देह से कम नही है, तो समस्या ये है कि हम इस आत्मिक शब्द को 20 वी सदी की आँखों से देख रहे हैं, मैं सोचता हूँ कि बात तो ये है, पौलुस फिलिप्पियों 3 में स्पष्ट कहता है, कि ये कोई अजीब आत्मा नही है, तो हमें ये कहने में कोई समस्या नही है, कि ये शारीरिक नही है, क्योंकि वो इसका अर्थ हमें बताता है/ फिलिप्पियों 3 को कॉमेन्ट्री जैसे लीजिए, पहला कुरिन्थियो 15 पर/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: गैरी इसे बताइए, दुसरे शब्दों में, यदि मैं यहाँ बुद्धिमत्ता के रूप में कहूँ, सबूतों पर, खैर मैं इस पर व्यक्तिगत बात कहूँगा, चलिए अब देखते हैं कि गैरी क्या कहना चाहते हैं, शायद 1995 में, आपकी पत्नी डेबी, आपके हर विद्यार्थी जिनसे मैं मिला और उसके बारे में सुना है, वो कहते हैं कि आप उनसे ऐसा प्यार करते थे जो स्वर्ग में बना हो, और फिर जब उनकी उम्र लगभग 40 साल की हुई, तब क्या हुआ?

डॉ. गैरी हैबरमास: पेट के कैन्सर से, जी, टोनी 1985 में मेरे घर आए थे, और कल हम इस पर चर्चा कर रहे थे क्योंकि ये नही जानते थे, कि क्या हुआ है, लेकिन मेरे पत्नी 1995 की गर्मियों में चल बसी, हमारी मुलाकात के दस साल बाद, इनके घर आने के दस साल बाद, उन्हें पेट का कैन्सर था, और जानते हैं, मेरा पहला विचार

था, मैं पहले दोष निकालनेवाला था, मैं तो मानो खुद से लड़ रहा था, ओ नही, यहाँ फिर से संदेह आया, और वो कभी नही आए, लेकिन मेरे एक ग्रेजुएट स्टूडेंट थे, जो अब हमारे यहाँ शिक्षक हैं, उन्होंने मुझे फोन किया और कहा, यदि पुनरुत्थान नही होता तो आप अभी कहाँ होते?

और मेरे लिए यहाँ पौलुस दिखाता है, शोक के बारे में, विश्वासी शोक करते, आशाहीन लोगों जैसे नही, ये बड़ा फर्क लेकर आता है कि आप आशा के साथ या आशाहिन होकर शोक करते हैं, जब हमारे प्रियजन चले जाते हैं तो हम परेशान होते हैं, और इस समय चेलों के बारे में, लेकिन जानते हैं मेरे लिए, पुनरुत्थान के बिना मेरी पत्नी के लिए शोक करना, और पुनरुत्थान के साथ मेरी पत्नी के लिए शोक करना मेरे लिए बहुत बड़ा फर्क लाता है/

तो मेरे लिए 1995 में मेरे सवाल के लिए जवाब, तो कुछ इस तरह था, यदि ये संसार वो है जिस में परमेश्वर ने यीशु को मुर्दों में से जीवित किया है, और यदि ये सही था सन 30 में, तो ये 1995 में भी सही था, मैं निश्चित हो सकता था, मेरे पास जवाब नही थे, दर्द और दू:खों के लिए कोई जवाब नही है, अस्थिक हो या नास्तिक, हम दर्द और दू:खों के जवाब नही जानते हैं, लेकिन पुनरुत्थान के जैसे बात, इसने मुझे इस तरह की समझ लाइ, क्योंकि ये उसके बारे में कुछ बता रहा था, कि वो कहाँ जा रही है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: खैर, आत्मिक या शारीरिक आप अपनी पत्नी का किस तरह पुनरुत्थान देखना चाहते हैं?

डॉ. गैरी हैबरमास: इस समय मैं सोचता हूँ कि उनके पास कोई देह नही है, और मैं सोचता हूँ कि हम एक साथ होगे और उनके पास देह होगी, और मेरे पास भी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: तो तब क्या होता है, शरीर में न होना याने प्रभु के साथ होना है, इसका क्या अर्थ है?

डॉ. गैरी हैबरमास: मैं सोचता हूँ कि मृत्यु के समय में, प्रभु के आगमन के पहले, विश्वासी प्रभु की उपस्थिति में होते हैं, शारीरिक देह के बिना, मेरे एक दोस्त हैं, फिलोसोफर दोस्त, पीटर क्राफ्ट बोस्टन कॉलेज से, जो कहते हैं प्लेटो सही थे, जहाँ तक वो गए थे, वो ज्यादा दूर नही गए, प्लेटो ने विश्वास किया कि शरीर की यही दशा है, और प्लेटो ने फिर नई देह पर विश्वास नही किया, मैं सोचता हूँ कि ओर्थोडोक्स यहूदी और मसीही लोग यही आशा रखते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, टोनी आप बताइए, इस जानकारी के बारे में, हम इस सवाल को देख रहे हैं, क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा, यदि चेलों ने कुछ देखा, आप क्या सोचते हैं कि उन्होंने जो सबूत दिए, क्या वो झूठे थे?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, बिलकुल नही, क्योंकि झूठ बोलने में मकसद होता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: याने झूठ बोलने की मनसा नही की/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, याने झूठ बोलने के लिए कुछ गलत बात का मकसद होना चाहिए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप सोचते हैं कि उनका ये मकसद नही था लेकिन जो चाहते थे उससे अलग ही जानकारी दी?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, टोनी ने बहुत ही मुख्य बात कही है, जो मैंने शुरू में कहा वो मेरे लिए मुख्य लिस्ट है, 12 की ये लिस्ट, कि चेलों ने अनुभव पाए थे जिस पर वो विश्वास करते थे, झूठ नही कहा, पर विश्वास करते थे, कि जी उठे यीशु को देखा है, इसमें मुख्य मुद्दा है, मैं सोचता हूँ कि ये बहुत करीबी है, कि इस सवाल का जवाब पाए, कि उन्होंने क्या देखा? चेलों ने दावा किया कि कुछ देखा, अब टोनी का दृष्टिकोण है, भ्रम था, दो अलग

बार, वो कुछ देखने का दावा करते हैं, लेकिन कुछ देखा जिसके लिए कोई विवरण नही है, मैं सोचता हूँ कि यहाँ समस्या है, यदि पौलुस को बदलाव का दिमागी झटका नही लगा, और चेले भ्रम के लिए सही व्यक्ति नही थे, और फिर भी हम मानते हैं, कि चेलों ने कुछ देखा, तो संभावनाए कम होती हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप क्या सोचते हैं टोनी?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, शायद ये इस तरह से हो कि हम किसी चीज़ का सामना कर रहे हैं, और इसका कोई अनुभव नही है, क्योंकि मैं देखता हूँ, खैर, किसी भी चमत्कार के बारे में गौर करते हुए देखना है, आपके लिए क्या करना सही होगा, ये इस पर आधारित है कि आप क्या विश्वास करते हैं, मेरे जैसे व्यक्ति के लिए, जब किसी चमत्कार के बारे में देखता हूँ, तो व्यवहारिक बात तो ये सोचना होगा, कि यहाँ कुछ लगती हुई है, शायद मैं इस बात को मानता हूँ कि चमत्कार हुआ है, तो ये कुछ बहुत है अद्भुत बात की और ले जाता है/ लेकिन अवश्य ही, यरूशलेम के लोगों के लिए, जो कि विश्वास करनेवाले यहूदी थे, किसी तरह से, सदुकी हो या फरीसी हो, इस तरह से, लेकिन ये सवाल की क्या विश्वास करना सही होगा, ये पूरी तरह से अलग है, क्योंकि वो सब इस विचार को मानते थे कि मसीहा आनेवाला है, और ये भी कि मसीहा चमत्कार करेगा, और ये सब, मैं सोचता हूँ कि इन लोगों को ये विश्वास करना तो बहुत ही व्यवहारिक था, और अवश्य ही, अब मसीही विश्वासी, सोचते हैं कि ये व्यवहारिक है कि इसे लें, ये चमत्कार की बात, लेकिन ये मेरे लिए नही है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आपके पास 30 सेकन्ड्स हैं, एक आखरी वाक्य/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, यदि मैंने आपको सही सूना, तो विश्वासी लोग पुनरुत्थान पर विश्वास करने में व्यवहारिक हैं/

डॉ. एन्थनी फ्लू: मैं सोचता हूँ कि ये कहना सही होगा/

डॉ. गैरी हैबरमास: मैं सोचता हूँ कि ये अद्भुत है, लेकिन सच्चा वाक्य है सच्चे व्यक्ति से, क्योंकि टोनी बहुत सच्चे व्यक्ति हैं, मैंने हमेशा इन्हें इसी तरह देखा है, लेकिन ये बड़ा सबूत है क्योंकि, यदि हम व्यवहारिक हैं, तो इसका अर्थ है कि हमारे पास इसके लिए कारण हैं, शायद हम इसे देखेंगे टोनी/

डॉ. एन्थनी फ्लू: और परमेश्वर पर विश्वास करने के कारण हैं/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, परमेश्वर पर विश्वास करने के भी कारण हैं, मैं सोचता हूँ कि हम देखेंगे कि ये इस कारणों पर गौर क्यों नही करते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हमारे साथ बने रहिए, हम इस पर और चर्चा करेंगे, हमारे आनेवाले अगले सेगमेंट में, हम खली कब्र के बारे में चर्चा करेंगे, और इसका इन सारी बातों से क्या संबन्ध रखता है, हम इस पर चर्चा करेंगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्ढठ्ठन्‌ ङ्यद्ट ठ्ठ.ड.ड्ढद्रङ्य ख्ड्ढद्मद्ढद्म कण्ढत्द्मङ्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्‌.दृढ्ढ.ढ

@JAshow.org

क्दृद्रन्ध्ढत्.ढण्ङ्य 2015 ऋ्ह्रड्ढ़्